

## The Sanmarg

Date: 23.09.2018

# आईआईटी भुवनेश्वर का सातवां दीक्षांत समारोहे आयोजित

**भुवनेश्वर :** आईआईटी भुवनेश्वर का सातवां दीक्षांत समारोह इसके जटानी के अलगूल रिथूत सामुदायिक केन्द्र में आयोजित हुआ। भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव डा. आशुतोष शर्मा ने बौद्ध और मुख्य अंतरिक्ष विद्यार्थियों और इनके उपदेशकों को ताजा, युवा और उपजाऊ मासिक में नए विचार बोने के लिए बधाई दिया। अत्याधिक इंजीनियरिंग शिक्षा और अनुसंधान के लिए आईआईटी भुवनेश्वर की प्रतिबद्धता का यह स्पष्ट सबूत है। उन्होंने विद्यार्थियों से रोजगार खोजने वाले के बजाय रोजगार पैदा करने वालों बनने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आज अभूतपूर्व वैशिक तनाव और समावेशी आर्थिक विकास और



गोजगार सूजन में चुनौतियां हैं, लेकिन ऊर्जा, जल, पर्यावरण, परिवहन, साइबर फिजिकल सिस्टम और खच्चला और स्वास्थ्य के क्षेत्र में प्रौद्योगिकी

परिवर्तनकारी बदलाव के मौके भी हैं। कड़ा टीमवर्क सभी अंतःविषय की समस्याओं के समाधान की कुंजी है। शासक मंडल के चेयरमैन पंकज रमनभाई पटेल ने धन्यवाद

ज्ञापन करते हुए विद्यार्थियों को ऊचा लक्ष्य निर्धारित करने, नवोन्मेषी बनाने और जीवन में प्रगति के लिए सम्मान और परिवेश पर भरोसा करने का गुरु मंत्र दिया।

उन्होंने कहा कि शिखर पर पहुंचने के लिए अंतःविषय दृष्टिकोण आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों को कड़ी मेहनत करने और देश निर्माण और देश के विकास में योगदान के लिए प्रेरित किया। निदेशक प्रो आरवी राजा कुमार ने वार्षिक रिपोर्ट पढ़ी और स्वर्ण पदक विजेताओं को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने सलाहकारों और देश के हितों को प्रोत्साहित करने के लिए पुरातन ज्ञानों की योजनाओं पर जोर दिया। स्कूल आफ मैनिकल साइंसेज के बी-टेक बैच के नंदूरी दिवाकर को शैक्षिक प्रदर्शन के लिए भारत के राष्ट्रपति का स्वर्णपदक प्रदान किया। स्कूल आफ बैसिक साइंसेज के एमएससी बैच के छात्र श्यान राघव, अमितांशु राय, गहुल गणा, दीपांजलि हलतर को संस्थान का रजत पदक प्रदान किया गया। कुल 215 विद्यार्थियों ने उपरित्थित रहकर अपना प्रमाणपत्र प्राप्त किया।

